Dainik Bhaskar (Indore), 07th September 2025, Page-02

कई विषय में पहली बार किए पेटेंट

# IIT इंदौर: पेटेंट फाइलिंग में 112% की वृद्धि दर्ज

भास्कर संवाददाता | इंदौर

नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर ने एक नया कीर्तिमान हासिल किया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पेटेंट फाइलिंग में 112% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल आईआईटी से 33 पेटेंट दर्ज हुए थे, वहीं इस सत्र में यह संख्या बढ़कर 70 हो गई।

आईआईटी के इस पेटेंट पोर्टफोलियो में इस बार स्वास्थ्य सेवा इनोवेशन की मजबूत उपस्थिति देखने को मिली है। वहीं, खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग ने भी पहली बार पेटेंट फाइल किए हैं। इस उपलब्धि के साथ आईआईटी इंदौर की कुल पेटेंट फाइलिंग संख्या अब 215 हो गई है, जिनमें से 102 पहले ही स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें अमेरिका और चीन में स्वीकृत चार इंटरनेशनल पेटेंट भी शामिल हैं। साथ ही, दो औद्योगिक डिजाइन और तीन ट्रेडमार्क आवेदन ने संस्थान की आईपी (इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी) को और मजबूत किया है। आईआईटी इंदौर ने डीप-टेक रिसर्च, ट्रांसलेशनल इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के एक प्रमुख सेंटर के रूप में पहचान कायम करने में कामयाबी हासिल की है।

## कपिला स्कीम में सबसे ज्यादा पेटेंट

अप्रैल 2023 से सितंबर 2024 के बीच दर्ज हुए अधिकतर पेटेंट एआईसीटीई की कपिला (कलाम प्रोग्राथम फॉर इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी लिटरेसी एंड अवेयरनेस) स्कीम के तहत आए। इस स्कीम से वित्तीय एवं तकनीकी सहायता मिली। आईआईटी डायरेक्टर प्रो. सुहास एस. जोशी का कहना है, आईआईटी इंदौर में हम इनोवेशन को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते हैं। पेटेंट फाइलिंग में हुई यह वृद्धि हमारे डीप-टेक अनुसंधान और उद्यमशीलता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट डीन प्रो. अभिरूप दत्ता बताते हैं, पेटेंट फाइलिंग में वृद्धि हमारे शोधार्थियों के कठोर प्रयासों का परिणाम है। उद्योग और स्टार्टअप से जुड़ाव आईआईटी इंदौर के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उद्योग जगत को पांच तकनीक लाइसेंस की गईं और चौदह स्टार्टअप्स ने संस्थान की तकनीक अपनाई। आंतरिक पेटेंट खोज सुविधाएं, सूचीबद्ध आईपी फर्म और सक्रिय व्यावसायीकरण प्रयास इस सफलता के पीछे की प्रमुख ताकत है।